यह निरीक्षण प्रतिवेदन **कार्यालय राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सल्डमहादेव, पौड़ी गढ़वाल** द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के आधार पर तैयार किया गया है। कार्यालयाध्यक्ष द्वारा उपलब्ध करायी गयी किसी त्रुटिपूर्ण अथवा अधूरी सूचना के लिए कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा) उत्तराखण्ड, देहरादून की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

कार्यालय राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सल्डमहादेव, पौड़ी गढ़वाल के माह 03.2012 से 10.2018 तक के लेखा-अभिलेखों की लेखापरीक्षा पर आधारित निरीक्षण प्रतिवेदन श्री पवन कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, एवं श्री मुन्ना राम, लेखापरीक्षक द्वारा दिनांक 22.11.2018 से 28.11.2018 तक श्री पुष्कर, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी के पूर्ण पर्यवेक्षण में सम्पादित की गयी।

<u>भाग</u>-।

1). परिचयात्मकः इकाई को आहरण वितरण अधिकार प्राप्त होने के उपरान्त प्रथम लेखापरीक्षा है। वर्तमान लेखापरीक्षा में माह 03/2012 से 10/2018 तक के लेखा अभिलेखों की जांच की गयी।

2). (i). इकाई के क्रियाकलाप एवं भौगोलिक अधिकार क्षेत्रः संस्थान द्वारा विभिन्न रोजगारपरत व्यवसायो जैसे वायरमैन, फिटर, कोपा आदि मे प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इकाई के भौगोलिक अधिकार क्षेत्र मे सल्डमहादेव क्षेत्र शामिल है।

ii). (अ). विगत वर्षों में बजट आबंटन एवं व्यय की स्थिति निम्नवत हैः

(रु लाख में)

क्रम संख्या	वित्तीय वर्ष	प्रारम्भिक अवशेष		स्थापना		गैर स्थापना		आधिक्य (+)	बचत (-)
		स्थापना	गैर-स्थापना	आवंटन	व्यय	आवंटन	व्यय		
1	2015-16	0.00	0.00	85.70	66.08	10.62	9.72	-	20.52
2	2016-17	0.00	0.00	71.81	71.81	8.39	8.20	-	0.18
3	2017-18	0.00	0.00	58.44	58.38	14.35	12.41	-	2.49
4	2018-19	0.00	0.00	66.11	39.14	13.68	8.56	-	--

(ब). Autonomous Bodies की इकाइयों के विगत तीन वर्षो में बजट आवंटन एवं व्यय की स्थिति निम्नवत हैं:

लागू नही

(स). केन्द्र पुरोनिधानित योजनाओं के अन्तर्गत प्राप्त निधि एवं व्यय विवरण निम्नवत हैः

वर्ष	योजना का नाम	प्रारम्भिक आवशेष	वर्ष के दौरान प्राप्ति (आवंटन)	विविध प्राप्तियाँ (ब्याज आदि)	कुल प्राप्ति	व्यय	आधिक्य (+)	बचत (-)
2015-16	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
2016-17	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
2017-18	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
2018-19	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

iii). इकाई को बजट आवंटन राज्य योजना अनुदान संख्या 16 के अंतर्गत, निदेशालय प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, हल्द्वानी द्वारा किया जाता है। गैर-स्थापना व्यय को सम्मिलित न करते हुए इकाई 'C' श्रेणी की है। विभाग का संगठनात्मक ढांचा निम्नवत हैः-

a). प्रमुख सचिव, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन , उत्तराखंड, देहरादून

b). निदेशक, प्रशिक्षण, हल्द्वानी

c). अपर निदेशक, प्रशिक्षण, हल्द्वानी

d). उप निदेशक, प्रशिक्षण, हल्द्वानी

e). प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सल्डमहादेव, पौड़ी गढ़वाल

iv). लेखापरीक्षा का कार्यक्षेत्र एवं लेखापरीक्षा विधिः वर्तमान लेखापरीक्षा 03.2012 से 10.2018 तक की अवधि को आच्छादित करते हुए **कार्यालय राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सल्डमहादेव, पौड़ी गढ़वाल** के लेखा-अभिलेखों की नमूना जांच के आधार पर की गयी । यह निरीक्षण प्रतिवेदन **कार्यालय राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सल्डमहादेव, पौड़ी गढ़वाल** की लेखापरीक्षा में पाये गये निष्कर्षों पर आधारित है। माह 03/2013, 03/2016, 03/2018 एवं 03/2017 को विस्तृत जांच हेतु चयनित किया गया । प्रतिचयन अधिकतम व्यय के आधार पर किया गया।

v). लेखापरीक्षा भारत के संविधान के अनुच्छेद- 149 के अधीन बनाये गये नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के (कर्तव्य, शक्तियां तथा सेवा की शर्ते) अधिनियम, 1971 (डी.पी.सी. एक्ट, 1971) की धारा 13; लेखा तथा लेखापरीक्षा विनियम, 2007 तथा लेखापरीक्षण मानकों के अनुसार सम्पादित की गयी।

<u>भाग - 2 'ब'</u>

प्रस्तर:1- योजना की अवमुक्त धनराशि रु 2.50 करोड़ से उच्चीकरण का निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति काफी धीमी पाया जाना।

भारत सरकार की पीपीपी मोड के तहत उच्चीकरण हेतु राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सल्डमहादेव, पौड़ी गढ़वाल के अंतर्गत संचालित योजना की लेखापरीक्षा मे प्रगति की संवीक्षा की गयी। निर्गत दिशानिर्देश गाइडलाइंस के अनुसार Institute Management Committee (आईएमसी) नाम से स्वतंत्र समिति गठित की जानी थी जिसके अध्यक्ष प्राइवेट पार्टनर 'Tata motor's Pant Nagar तथा सचिव आईटीआई के प्रधानाचार्य एवं दोनों पक्षो के मनोनीत सदस्य पाये गए। इकाई को Upgradation हेतु भारत सरकार द्वारा ब्याज मुक्त ऋण के रूप मे रु. 2.50 करोड़ की धनराशि वर्ष 2008 मे अवमुक्त की गयी। योजना की प्रगति रिपोर्ट निम्नवत पायी गयी:-

(धनराशि लाख में)

क्रम संख्या	**विवरण**	**भारत सरकार द्वारा अनुमोदित व्यय संबंधी निर्धारित वित्तीय लक्ष्य (वर्ष 2017-18 तक)**	**क्यूपीआर के अनुसार वास्तविक प्रगामी व्यय (वर्ष 2017-18 तक)**	**अन्तर धनराशि जिसे निर्धारित अवधि मे व्यय नही किया जा सका**
1	Civil Work	70.25	40.26	29.99
2	Tools	74.54	63.89	10.65
3	Furniture	23.95	09.06	14.89
4	Books	11.59	06.57	05.02
5	Additional Manpower	48.35	30.66	17.69
6	Consumables & Training Material	14.82	01.83	12.99
7	Miscellaneous	21.35	07.56	13.79
	योग	264.85	168.83	96.02

जांच मे आगे पाया गया कि उच्चीकरण के लिए आवश्यक भूमि एवं भवन योजनाअंतर्गत इकाई का चयन के पूर्व से ही इकाई के पास मौजूद था तथा प्रयोजन के लिए जारी राशि के समय ही वर्ष 2007-08 मे आईएमसी का गठन करते हुये प्राइवेट पार्टनर का चयन कर लिया गया था, परंतु अपग्रेडशन का कार्य इन 10 वर्षो मे अत्यंत धीमी पायी गयी तथा वर्ष 2017-18 तक civil work, tools, furniture, Books, Additional Manpower, Training Material के किसी भी वित्तीय निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त नही किया गया। अपग्रेडशन का कार्य सुस्त होने की पुष्टि इस बात से भी हुई कि वर्ष 2017-18 तक consumables and training material पर निर्धारित लक्षय का मात्र 12% ही व्यय किया गया।

इस ओर इंगित किए जाने पर इकाई द्वारा उत्तर दिया गया कि चयनित स्थल के इर्द-गिर्द कोई इंडस्ट्री का न होना तथा दूरस्थ स्थान होने के कारण प्राइवेट पार्टनरशिप द्वारा उदासीनता बरती गयी।

उत्तर मान्य नहीं, जब उच्चीकरण के लिए इकाई के पास पूर्व से भवन- भूमि मौजूद था, योजना की समस्त राशि समय से अवमुक्त कर दी गयी थी तथा प्राइवेट पार्टनर का चयन भी प्रारम्भ मे हो गया था, फिर भी इकाई लक्ष्य प्राप्त करने मे विफल रही। यह विभागीय उदासीनता को दर्शाता है।

अतः प्रकरण प्रकाश में लाया जाता है ।

<u>भाग-III</u>

विगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों का विवरण:-

निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या	भाग-II 'अ' प्रस्तर संख्या	भाग-II 'ब' प्रस्तर संख्या	STAN
----------प्रथम लेखापरीक्षा----------			

विगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों की अनुपालन आख्याः

निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या	प्रस्तर संख्या लेखापरीक्षा प्रेक्षण			अनुपालन आख्या	लेखापरीक्षा दल की टिप्पणी	अभियुक्ति
	भाग-II 'अ' प्रस्तर संख्या	भाग-II 'ब' प्रस्तर संख्या	STAN			
----------प्रथम लेखापरीक्षा----------						

भाग-IV

इकाई के सर्वोत्तम कार्य

.... शून्य ....

भाग-V

आभार

1). कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा) उत्तराखण्ड, देहरादून लेखापरीक्षा अवधि में अवस्थापना संबंधी सहयोग सहित मांगे गये अभिलेख एवं सूचनांए उपलब्ध कराने हेतु **कार्यालय राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सल्डमहादेव, पौड़ी गढ़वाल** तथा उनके अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करता है तथापि लेखापरीक्षा में निम्नलिखित अभिलेख प्रस्तुत नहीं किये गयेः-

अप्रस्तुत अभिलेख: शून्य

2). सतत् अनियमितताएः शून्य

3). लेखापरीक्षा अवधि में निम्नलिखित अधिकारियों द्वारा कार्यालयाध्यक्ष का कार्यभार वहन किया गया :

नाम	पदनाम	अवधि
श्री ए॰ के॰ कल्याण	प्रधानाचार्य रा॰ औ॰ प्र॰ स॰ सल्डमहादेव, पौड़ी गढ़वाल	लेखापरीक्षा अवधि से जुलाई 2016 तक
श्री पंकज कुमार	प्रधानाचार्य रा॰ औ॰ प्र॰ स॰ सल्डमहादेव, पौड़ी गढ़वाल	अगस्त 2016 से अगस्त 2017 तक
सुश्री ममता पाण्डे	प्रधानाचार्य रा॰ औ॰ प्र॰ स॰ सल्डमहादेव, पौड़ी गढ़वाल	सितम्बर 2017 से वर्तमान तक

लघु एवं प्रक्रियात्मक अनियमितताएं जिनका समाधान लेखापरीक्षा स्थल पर नहीं हो सका, उन्हें नमूना लेखापरीक्षा टिप्पणी में सम्मिलित कर एक प्रति **कार्यालय राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सल्डमहादेव, पौड़ी गढ़वाल** को इस आशय से प्रेषित कर दी गयी, जिसकी प्राप्ति के एक माह के अन्दर अनुपालन आख्या सीधे "उप-महालेखाकार/ सामाजिक क्षेत्र, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा) उत्तराखंड, महालेखाकार भवन, कौलागढ़, देहरादून 248195" को प्रेषित कर दी जाये।

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी/सा.क्षे.